विचार बिन्दु

केवल प्रकाश का अभाव ही अंधकार नहीं, प्रकाश की अति भी मनुष्य की आँखों के लिए अंधकार है। –स्वामी रामतीर्थ

देश में डिजिटल क्रांति का असर : मनोरंजन के नाम पर परोसी जा रही है अश्लीलता

डिजिटल क्रांति ने देश में मनोरंजन के तरह तरह के साधन उपलब्ध करा दिए है। इनमें एक ओटीटी प्लेटफार्म भी है। आजकल ओटीटी की चर्चा खूब हो रही है। ओटीटी की फुल फॉर्म ओवर द टॉप होती है। यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जो कुछ और प्लेटफॉर्म्स की मदद से मोबाइल पर ही वेब सीरीज, फिल्में, और सीरियल उपलब्ध करा देता है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 2024में देश में ओटीटी देखने वाले दर्शकों की संख्या 550 मिलियन तक पहुंच गई है। यह 2023 की तुलना में काफी ज्यादा है, जो इस डिजिटल क्रांति के तेजी से बढ़ने का संकेत देता है। इंटरनेट की रफ्तार बढ़ना, स्मार्टफोन का चलन बढ़ना और टेलीकॉम कंपनियों के बीच डेटा के दाम कम करने की होड़ इस बढ़ते हुए दर्शक वर्ग का कारण हैं। दरअसल कोरोना महामारी के दौर में डिजिटल वर्ल्ड में एक गजब की क्रांति हुई। इस दौरान लोग घरों में बंद थे। उन्हें मनोरंजन की तलाश थी। विशेषकर युवा वर्ग अपने मोबाइल पर कुछ न कुछ खोज रहे थे। और उन्हें घर बैठे यह सुविधा ओटीटी प्लेटफॉर्म ने सुलभ करा दी। इससे शहर से गांव तक ओटीटी प्लेटफॉर्म का चलन बढ़ गया। मोबाइल पर ही लोगों को मनपसंद वेब सीरीज, फिल्में और शो मिलने लगे। अब उन्हें कहीं जानें की जरुरत नहीं थी। सिनेमा हाल में तीन-चार घंटे बिताने की भी कोई जरुरत नहीं थी। देखते-देखते ओटीटी प्लेटफॉर्म्स सबका चहेता बन गया और मनोरंजन के साथ मोज़ मस्ती तक लोगों की पहुंच आसान हो गई। अमेरिका से होते हुए भारत में सबसे पहली बार साल 2008 में ओटीटी प्लेटफॉर्म की शुरुआत हुई थी। रिलायंस एंटरटेनमेंट ने देश का पहला ओटीटी प्लेटफॉर्म Bigflix लॉन्च किया था। दो साल बाद 2010 में Digivive ने TV नाम से ओटीटी मोबाइल ऐप लॉन्च किए गए। इनमें वीडियो ऑन डिमांड के साथ टीवी देखने की भी सुविधा मिली। वर्तमान में भारत में कई तरह के ओटीटी प्लेटफॉर्म्स हैं। नेटफ्लिक्स, अमेज़न प्राइम वीडियो, डिज़्नी हॉटस्टार वूट, हुलु, सोनी लिव, जी फाइव और एमएक्स प्लेयर आदि अब सब जगह आसानी से उपलब्ध है। ओटीटी सर्विस वर्तमान में बहुत पॉपुलर हो गई है।

ओटीटी जैसे-जैसे लोगों में लोकप्रिय हुआ वैसे-वैसे अच्छाइयों के साथ बुराइयां भी इसमें शामिल हो गई है। इसे देखते हुए केंद्र सरकार ने ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के लिए नई गाइडलाइंस जारी की हैं। गाइडलाइंस में अश्लील और आपत्तिजनक कंटेंट पर सख्ती बढ़ाई गई है, ताकि बच्चों और युवाओं को अश्लील तथा अनुचित कंटेंट देखने से रोका जा सके। वेब सीरीज में बढ़ते नशे के प्रयोग और अश्लीलता को लेकर केंद्र सरकार ने ओटीटी प्लेटफार्म को चेतावनी भी जारी की है। रणवीर इलाहाबादिया विवाद के बाद सरकार ने ओटीटी और डिजिटल मीडिया पर नियंत्रण को लेकर नए नियम लागू किए हैं। सरकार ने यह कदम हाल ही में विवादों में आए 'इंडियाजगॉटलेटेंट' शो के एक अश्लील मजाक को लेकर उठाया गया है। दरअसल देश के मनोरंजन परिदृश्य में बड़े पैमाने पर क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं और इस क्रांति के केंद्र में ओवर-द-टॉप (ओटीटी) की उल्लेखनीय भूमिका है। ओटीटी ने देश में बड़ी हलचल मचा दी हैं। ओटीटी से सबसे ज्यादा हमारा युवा वर्ग आकर्षित हुआ है। इसका उपयोग मुख्य रूप से वीडियो ऑन डिमांड प्लेटफॉर्म्स, ऑडियो स्ट्रीमिंग, ओटीटी डिवाइसेस, वोइसआईपी कॉल, एवं कम्युनिकेशन चैनल मैसेजिंग आदि के लिए किया जाता है। ओटीटी प्लेटफार्मों में नेटफ्लिक्स, अमेज़ॅन प्राइम वीडियो, डिज्नी हॉटस्टार, हुलु और यूट्यूब टीवी शामिल हैं। ये प्लेटफ़ॉर्म आमतौर पर फिल्मों, टीवी श्रृंखला, वृत्तिचत्रों, लाइव स्पोर्ट्स और समाचार सहित सामठी की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में फेमस यूट्यूबर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रणवीर अल्लाहबादिया से जुड़े विवाद पर टिप्पणी की और उनके कुछ कंटेंट को 'अश्लील' और 'समाज के लिए शर्मनाक' बताया गया है।

आज ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म पर क्राइम पर आधारित शो या ऐसे शो जिसमें क्राइम सम्बन्धित कंटेंट अधिक शामिल हों, अधिक देखने को मिल रहे हैं। वहीं लगभग 70 प्रतिशत लोगों का मानना है कि आज ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म पर दिखाए/ परोसे जाने वाले कंटेंट लोगों, खासकर युवाओं के मन-मस्तिष्क, रहन-सहन और समाज पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश भारत है। आज हमारा युवा नशाखोरी के मकड़जाल में फंसता जा रहा है।

ओटीटी प्लेटफार्म पर दरअसल इंटरनेट पर जारी धारावाहिक या वीडियो एपिसोड की एक श्रृंखला होती है और इसे वेब शो के नाम से भी जाना जाता है। वेब सीरीज को भी टीवी सीरियल की तरह डिजाइन किया जाता है। वेब सीरीज का प्रसारण सिर्फ डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर ही किया जाता है। इसका प्रसारण सिर्फ इंटरनेट पर होने के कारण ही इसे वेब सीरीज कहा जाता है। वेब सीरीज में अश्लीलता दिखाई जा रही है जो कि समाज के लिए हानिकारक है। वेब सीरीज में गालियां एवं अश्लीलता को खुल कर दिखाया जाता है जिससे कि वेब सीरीज का गरम मसाला बरकरार रहता है एवं इसकी ओर ज्यादा से ज्यादा लोग आकर्षित होते रहते हैं। युवाओं पर भी इनका गहरा असर पड़ता है। वेब सीरीज में दिखाए जाने वाले नशे, रंगीन लाइफस्टाइल में जीना युवाओं की पसंद बन जाती है। मनोरंजन के साधन का यह बदलता स्वरूप अपने आप में एक बड़ा विषय है जिसकी हमें समीक्षा करने की जरूरत हैं। वेब सीरीज के प्रति युवा पीढ़ी का आकर्षण बढ़ा है। इसमें सामाजिक व नैतिक मूल्यों को दरकिनार करके कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाने की शिकायतें उठ रही हैं। वेब सीरीज से सामाजिक तानाबाना प्रभावित हो रहा है। परिवार में रिश्ते भी प्रभावित हो रहे हैं। भारतीय सभ्यता और संस्कृति दुनिया में सबसे उम्दा है। इसके संरक्षण की आवश्यकता है। इसी कड़ी में वेबसीरीज पर रोकथाम जरूरी है। इंटरनेट पर अनेक वेब सीरीज उपलब्ध हैं। इसमें अपराधों के साथ ही अश्लीलता भरे कार्यक्रम प्रस्तुत किए जा रहे हैं। यह भारतीय सभ्यता और संस्कृति के लिए खतरा है। अधिकांश वेब सीरीज समाज में गंदगी फैला रहे हैं। देश की संस्कृति को गलत दिशा में मोड़ने का कुचक्र किया जा रहा है।

ओटीटी प्लेटफार्म का प्रभाव इतना बढ़ गया है कि अमेरिका की दो सबसे बड़ी कंपनिया नेटफ्लिक्स और अमेज़न प्राइम ने भारतीय भाषा में कंटेंट बनाना शुरू कर दिया है। भारत में अमेज़न प्राइम, नेटफ्लिक्स, जी 5, हॉटस्टार प्रीमियम, अल्ट बालाजी जैसे कुछ सबसे प्रसिद्ध एप्लीकेशन है जिनकी मदद से हम वेबसीरिज का आनंद उठा सकते है। वेब सीरीज के संवादों में गाली-गलौज से लेकर लिंगसूचक, जातिगत और व्यक्तिगत टिप्पणी का बोलबाला अधिक हो रहा है जो हमारे सामाजिक ताने बाने को क्षतिग्रस्त कर रहे है। एक सर्वे के अनुसार वेबसीरीज में समाहित सामग्रियों का समाज पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करने की प्रक्रिया में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार और दिल्ली के उत्तरदाताओं के मत को इकठ्ठा किया है। उत्तरदाताओं से मिले जवाब के अनुसार आज अमेज़न सबसे अधिक देखा जाने वाला ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म है। वहीं आज ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म पर क्राइम पर आधारित शो या ऐसे शो जिसमें क्राइम सम्बन्धित कंटेंट अधिक शामिल हों, अधिक देखने को मिल रहे हैं। वहीं लगभग 70 प्रतिशत लोगों का मानना है कि आज ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म पर दिखाए/ परोसे जाने वाले कंटेंट लोगों, खासकर युवाओं के मन-मस्तिष्क, रहन-सहन और समाज पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश भारत है। आज हमारा युवा नशाखोरी के मकड़जाल में फंसता जा रहा है। इन दिनों OTT प्लेटफॉर्म का खूब बोलबाला है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर वेब सीरीज में सरे आम नशे और अश्लीलता को परोसा जा रहा है। गन्दी बात के साथ ड्रग्स, सिगरेट और शराब का सरेआम सेवन हो रहा है। युवा वर्ग आजकल फिल्मों के स्थान पर वेब सीरीज में अधिक डूबा हुआ है।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

महाकुंभ : एक थाली और एक थैला अभियान ने दिखा दी देश को नई दिशा

विनोद पाठक

प्रयागराज के महाकुंभ में एक ऐसा अनूठा अभियान चलाया गया। जो देश में प्लास्टिक के इस्तेमाल को लेकर दिशा और दशा, दोनों को बदल । दरअसल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने महाकुंभ से पहले देशभर से एक थाली और एक थैला इकट्ठा करने का बड़ा अभियान छेडा था, ताकि प्लास्टिक की थाली और थैलियों के प्रयोग से बचा जा सके। देश से जुटाई गईं स्टील की थालियों और कपड़े के थैलों की महाकुंभ में अखाड़ों, संस्थाओं और सरकारी विभागों को आपूर्ति की गई। इस अभियान के क्रांतिकारी परिणाम सामने आए हैं, जो न केवल आर्थिक, बल्कि पर्यावरण के दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण हैं।

सरकारी आंकड़ों पर विश्वास करें तो महाकुंभ में 66 करोड से अधिक श्रद्धालु संगम में स्नान कर चुके हैं। इतनी बाडी संख्या में श्रद्धालुओं के आने के बावजूद 4200 हेक्टेयर में फैला महाकुंभ मेला क्षेत्र स्वच्छ नजर आता है। हजारों की संख्या में मेला क्षेत्र में भंडारे चलने के बावजूद कहीं भी प्लास्टिक की थाली या गिलास देखने को नहीं मिल रहे हैं। मेला प्रशासन की सफाई को लेकर व्यवस्था तो ही है, लेकिन इसका बडा श्रेय एक थाली और एक थैला अभियान को भी जाता है।

महाकुंभ आयोजन से जुड़े सरकारी अधिकारियों ने भी प्लास्टिक मुक्त महाकुंभ को लेकर प्रयास शुरू किए। इसमें साधु-संतों को अपने साथ जोड़ा। अखाड़ों ने यह प्रण लिया कि इस बार प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगे। हालांकि, असली समस्या यह आ रही थी कि यदि प्लास्टिक नहीं तो फिर क्या? इसका रास्ता दोना-पत्तल और कुल्हड से निकला, लेकिन करोड़ों की संख्या में इनकी आपूर्ति आसान नहीं होती। फिर इनके निस्तारण की व्यवस्था भी करनी पडती। इसके बाद स्टील की थाली और कपडे के थैले का आइडिया सामने आया। स्टील की थाली को धोकर दोबारा इस्तेमाल में लिया जा सकता है। यदि आंकड़ों पर जाएं तो महाकुंभ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने 14 लाख से अधिक स्टील की थालियां वितरित की हैं। 13 लाख से अधिक कपड़े के थैले बांटें हैं। पौने तीन लाख से अधिक स्टील के गिलास बांटे गए हैं। इस अभियान से 29,000 टन अपशिष्ट की कमी आई है और 140 करोड़ रुपए से अधिक की बचत हुई है।

एक थाली और एक थैला अभियान में साधु-संतों और संस्थाओं का योगदान सराहनीय रहा है। उन्होंने इस अभियान को न केवल हाथों-हाथ लिया, बल्कि ऐसी व्यवस्था की कि भक्त स्वयं थालियां को साफ करें और सुरक्षित रखकर जाएं। यही कारण है कि मेला क्षेत्र प्लास्टिक की थाली या गिलास नजर नहीं आए। दूसरा, प्रशासन ने दोना-पत्तल, कुल्हड और कपडे के थैलों को बहुत अधिक बढ़ावा दिया। जो बायोडिग्रेडेबल हैं।

पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचते हैं। मेला प्रशासन ने अपनी ओर से अखाड़ों को दोना-पत्तल, कुल्हड और जूट-कपडे के थैले मुफ्त में वितरित किए। सभी 25 सेक्टरों में इनके स्टॉल्स लगाए। प्लास्टिक मुक्त महाकुंभ को लेकर जनजागरुकता अभियान चलाया। पूरे मेला क्षेत्र को प्लास्टिक फ्री घोषित किया। आज देश के आगे प्लास्टिक एक गंभीर समस्या बना हुआ है। खासकर प्लास्टिक की थाली, गिलास और चम्मच पर्यावरण को बेहद नुकसान पहुंचा रहे हैं। प्लास्टिक, जो बरसों-बरस तक डिकम्पोज नहीं होता है। इस समस्या को लेकर सुप्रीम कोर्ट भी कई बार टिप्पणी कर चुका है, लेकिन कोई भी राह इस दिशा में नजर नहीं आ रही है, लेकिन जिस तरह से महाकुंभ में स्टील की थाली व गिलास और कपडे के थैले ने राह दिखाई है, वो काबिलेतारीफ है। देश इसका अनुसरण कर एक बड़ी समस्या से निजात पा सकता है। देश में हर वर्ष अरबों प्लास्टिक की थाली, गिलास, चम्मच आदि का इस्तेमाल विभिन्न अवसरों पर होता है। इनकी जगह यदि स्टील का इस्तेमाल हो तो बड़ी राहत मिल सकती है। स्टील को न केवल बार-बार प्रयोग में लिया जा सकता है, बल्कि खराब होने पर ये आसानी से रि-साइकिल भी हो जाता है।

महाकुंभ में आए करोड़ों लोगों ने इस अभियान को देखा है। निश्चित रूप से वो इससे प्रेरित हुए होंगे। आगामी दिनों में हमें शादी, भंडारों और अन्य अवसरों पर प्लास्टिक के बजाय स्टील के बर्तनों का इस्तेमाल देखने को मिल सकता है। कपडे के थैले को लेकर अभियान देश भर में चलता रहता है। बहुत से संगठन इससे जुड़े हुए हैं, लेकिन स्टील की थाली एक क्रांतिकारी कदम साबित होने वाला है। निश्चित ही महाकुंभ से निकला यह संदेश देश भर में पहुंचेगा।

–विनोद पाठक,
(वरिष्ठ लेखक एव पत्रकार)

डॉ. गर्ग ने सड़के मंजूर करने पर सीएम का जताया आभार

भरतपुर (निस)। भरतपुर विधानसभा क्षेत्र को ऐतिहासिक सौगातें देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉक्टर सुभाष गर्ग ने हार्दिक आभार व्यक्त किया।

विधायक डॉ सुभाष गर्ग ने बताया कि भरतपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक सौगातें दी गई है जिनमें लोहागढ स्टेडियम एवं जसवंत प्रदर्शनी मैदान में ड्रेनेज कार्य, 10 करोड़ रुपए से मथुरा बाईपास से मुरवारा सड़क का 2 किलोमीटर चौड़ाईकरण एवं सुदृढीकरण कार्य, प्लॉट नंबर ई-90, 4 करोड़ 10 लाख रुपए से ब्रज औद्योगिक क्षेत्र से जघीना रोड (एलसी-24जी) तक सड़क का उन्नयन कार्य, 2 करोड़ 95 लाख रुपए से प्लॉट नंबर जीआई-128 से ई-90, ब्रज औद्योगिक क्षेत्र तक सड़क का सुदृढीकरण कार्य, 7 करोड़ रुपए से रेडक्रॉस सर्किल से रेलवे स्टेशन सड़क का चौड़ाईकरण कार्य, एमएसजे महाविद्यालय भरतपुर में अध्ययन ब्लॉक, ऑडिटोरियम निर्माण व अन्य कार्य, 33 केवी जीएसएस,जाटोली रथभान (सेवर), मोतीझील, स्कीम नंबर 13 है। बता दें कि इससे पहले विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने 28 जनवरी, 2025 को मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को पत्र लिखकर नगर निगम क्षेत्र और गैर अनुमोदित कॉलोनियों में अत्यधिक बारिश के कारण खराब हुई सड़कों का जिक्र करते हुए 50 किलोमीटर सड़कों के लिए 30 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किए जाने की मांग की थी।

आशा पाण्डेय का दिल्ली में किया जाएगा सम्मानित

आशा पाण्डेय

उदयपुर, । वर्ष 2025 का दूसरा ॐ शांति साहित्य गौरव सम्मान उदयपुर की सुविख्यात कवयित्री आशा पाण्डेय ओझा आशा को दिया जाएगा। ॐ शान्ति साहित्य मेमोरियल, दिल्ली के अध्यक्ष और ख्यातनाम कवि नरेश शांडिल्य ने बताया कि आठ मार्च महिला दिवस के दिन एक समारोह में आशा को यह सम्मान प्रदान किया जाएगा। कविता विधा में उनके स्तरीय अवदान के लिए कवयित्री आशा को अंगवस्त्र, नारियल, प्रशस्ति पत्र और ग्यारह हजार की राशि से सम्मानित किया जाएगा। आशा पाण्डेय ओझा आशा की अब तक ग्यारह पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। वे साहित्य की हर विधा में लेखन करती हैं। गीत, ग़ज़ल कविता, कहानी, आलेख, निबंध, संस्मरण, यात्रा वृत्तांत सहित कई विधाओं पर अपनी कलम चला चुकी हैं। संस्थापक नरेश शांडिल्य ने अपने माता-पिता स्व. ओम प्रकाश शर्मा और स्व. शांति देवी की पुण्य स्मृति में पिछले वर्ष संस्थान की स्थापना की थी।

समाज सेवी यश अग्रवाल होंगे महामूर्खाधिराज

भरतपुर (निस)। मित्र मण्डली तरूण समाज समिति की मीटिंग अध्यक्ष अमर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। पिछले 52 वर्ष से चली आ रही परम्परा को कायम रखते हुए होली पर्व पर तीन दिवसीय रंगीलो महोत्सव के अन्तर्गत प्रमुख उद्योगपति एवं समाजसेवी यश अग्रवाल 2025 महा मूर्खाधिराज होंगे।

10 मार्च को कुम्हेर गेट से महामूर्खाधिराज की विशाल शोभायात्रा आरंभ होकर शहर के कुम्हेर गेट, लक्ष्मण मंदिर, चौबुर्जा होते हुए मानसिंह सर्किल पर समाप्त होगी। जुलूस संयोजक नरेन्द्र सिंह मैनेजर व संस्था संस्थापक हरिमोहन मित्तल के अनुसार शोभायात्रा में रंग और गुलाल पर पूर्णतया प्रतिबंध रहेगा। पूरी शोभायात्रा में गुलाब की पंखुड़ियों से होली मिलन समारोह का आयोजन होगा। शोभायात्रा में विभिन्न झांकियां, श्वान एवं अन्य आकर्षण में भुसावर की चन्द्रप्रकाश पार्टी, सूरजपोल से खुशीराम, भागचंद, सोहनलाल पार्टी, नमक कटरा से धर्मसिंह व शंकर की पार्टियों की आकर्षक झांकियां, बलवीर सिंह निगोही की बम्ब पार्टी, मंगला ढोल की बम्ब पार्टी, नासिक ढोल के करतब देखने को मिलेंगे। महामंत्री पवन खण्डेलवाल के अनुसार कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया है। तरूण समाज समिति की मीटिंग में अमरसिंह अध्यक्ष, हरिमोहन मित्तल संस्थापक, नरेन्द्र सिंह मैनेजर, नवीन शर्मा, त्रिलोक सर्राफ, किशन गुप्ता, जसविंद सिंह गिल, प्रदीप शर्मा, राजकुमार बबुआ आदि अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सीएम 2 मार्च को बांसवाड़ा जिले में, शक्तिपीठ के करेंगे दर्शन

बांसवाड़ा । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 2 मार्च को जिले में शक्तिपीठ त्रिपुरा सुंदरी मंदिर के दर्शन कर पूजा-अर्चना करेंगे। मुख्यमंत्री के विशेषाधिकारी योगेश कुमार गोयल ने बताया कि मुख्यमंत्री शर्मा 2 मार्च को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रात: 10.40 बजे आगरा एयरपोर्ट से विशेष वायुयान से रवाना होकर प्रात: 11.40 बजे तलवाड़ा हवाईपट्टी पहुंचेंगे तथा 11.45 बजे तलवाड़ा हवाईपट्टी से हेलीकोप्टर द्वारा 11.50 बजे हेलीपेड त्रिपुरा सुंदरी, उमराई पहुंचकर प्रातरू 11.50 से 12.20 तक त्रिपुरा सुंदरी में दर्शन-पूजा करेंगे तथा दोपहर 12.20 हेलीकोप्टर से प्रस्थान कर दोपहर 12.35 बजे डूंगरपुर जिले के खेरमाल पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की 2 मार्च को जिले में प्रस्तावित त्रिपुरा सुंदरी की यात्रा के तहत जिला कलेक्टर डॉ इंद्रजीत यादव व जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अठावाला ने तलवाडा हवाई पट्टी, त्रिपुरा सुंदरी हेलीपैड, मंदिर परिसर आदि की व्यवस्था व तैयारियों का जायजा लिया।

जिला कलेक्टर व एसपी ने तलवाड़ा हवाई पट्टी पर सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों से हवाई पट्टी व रेस्ट हाउस में की जाने वाली व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने दोनों स्थानों पर आवश्यकतानुसार सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर अभीषेक गोयल, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की दी जानकारी

भरतपुर (निस)। महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व अतिरिक्त महानिदेशक आईसीएमआर, योजना आयुक्त, योजना आयोग के संयुक्त सलाहकार, राष्ट्रीय चिकित्सा सांख्यिकी संस्थान, नई दिल्ली के पूर्व निदेशक डॉ पदम सिंह व महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय के सहायक कुल सचिव डॉ फरबट सिंह ने माँ सरस्वती और महाराजा सूरजमल की प्रतिमा के समक्ष माल्यार्पण और पुष्प् अर्पित कर किया गया। डॉ पदम सिंह का स्वागत डॉ फरबट सिंह ने पुष्प् गुच्छ, शॉल एवं श्रीफल के साथ किया। डॉ कृतिका त्रिगुणायत ने कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए कहा कि हर साल 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है।

ईंट भट्टे की चिमनी से निकला धुंआ, भट्टा मालिक व श्रमिक के चेहरे खिले

हलैना, भरतपुर (निस)। एनसीआर क्षेत्र के नियम एवं सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की पालना करते हुए नदबई, वैर, भुसावर तहसील तथा हलैना उप तहसील क्षेत्र में संचालित ईंट भट्टों पर ईंट पकाई का कार्य और चिमनी से धुंआ निकलना शुरू हो गया। जिसको देख भट्टा मालिक सहित व्यापारी, ठेकेदार, श्रमिक आदि के चेहरे पर खिलावट झलक आई है। ये भट्टे अब 30 जून तक चलेंगे और एक जुलाई को चिमनी से धुंआ निकलाना बन्द हो जाऐगा। साल के 365 दिन में से केवल 122 दिन ही इन भट्टो पर ईंट पकाई होगी। ईंट भट्टा कारोबार से जुडे लोग और भट्टा संचालक एनसीआर के नियम और भरतपुर जिले का एनसीआर क्षेत्र में शामिल होने से दु:खी है,जिससे भरतपुर और डीग जिले का ईंट भट्टा कारोबार प्रभावित है। ये श्रमिक अपने परिवार सहित देश के

■ 30 जून तक ईट पकाई का होगा कार्य

कई राज्यों से दशहरा से दीपावली पर्व के आसपास आते है और गुरू पूर्णिमा से रक्षाबन्धन पर्व तक अपने घरों को लौटते है। जब ये गांव व घर से आते है तो सभी के चेहरे पर खुशियां नजर आती है। जिन्हे ईंट भट्टा मालिक, मुनीम व अन्य कर्मचारी श्रमिकों के द्वारा ईंट थपाई, निकासी, पकाई, बिक्री आदि कार्य कराए जाते है।

कहां कहां संचालित है भट्टे : उपखण्ड नदबई, वैर, भुसावर, डीग जिले के उपखण्ड नगर व कुम्हेर तथा पडौसी जिले अलवर के उपखण्ड कठूमर, लक्ष्मणगढ एवं दौसा जिले के उपखण्ड महवा, मण्डावर, लवाण, करौली जिले के उपखण्ड टोडाभीम में करीब 250 से अधिक ईंट भट्टे संचालित है। भरतपुर जिले में कस्वा नदबई, हलैना, बेरी, रामनगर, नसवारां, हन्तरा, सरसैना, ईरनियां, अरोदा, बुढवारी, भदीरा, नामखेडा, करीली, ऊंच, कबई, रौनिजा आदि गांवों पर 125 से अधिक ईंट भट्टे है।

ढाई दशक में 190 भट्टे हुए बन्द : ईंट भट्टा संचालक चंचल जिन्दल, सन्तोष चौधरी, अनिल सैनी व पिन्टू जाट ने बताया कि भरतपुरव डीग जिला एनसीआर क्षेत्र में आता है। जिले के वैर, नदबई, भुसावर व नगर उपखण्ड क्षेत्र में ही ये भट्टे संचालित है। जहां ये भट्टे लगे हुए है, वहां से दिल्ली की दूरी करीब 250 किमी है और ताज महल की दूरी करीब 75 किमी है। दिल्ली से दौसा,अलीगढ च मथुरा की दूरी करीब 120 किमी से 200 किमी होगी। इन जिले में एनसीआर के नियम लागू नही होते है। जहां ईंट भट्टें की चिमनी से धुआं नवम्बर व दिसम्बर से निकलाना शुरू हो जाता है। जबकि भरतपुर जिले में 1 मार्च से भट्टे की चिमनी से धुआं निलकता है और ये भट्टे चालू होते है। ऐसा होने से भरतपुर जिले को ईंट भट्टा कारोबार चौपट हो गया। एनसीआर नियम से जिले मे साल 2000 से 2024 तक करीब 190 ईंट भट्टे बन्द हो गए। वर्ष 2022 में 55ए वर्ष 2023 में 43 तथा वर्ष 2024 में 21 भट्टे बन्द हुए। साल 2025 में 10 भट्टे बन्द हो सकते हे।

एनसीआर से निकले तो सस्ती मिले ईंट : ईंट भट्टा मालिक संघ के पूर्व जिलाध्यक्ष सन्तोष चौधरी ने बताया कि एनसीआर क्षेत्र में भरतपुर जिले का आना और कठोर नियम के कारण जिले का उद्योग धन्धा चौपट हो गया। जिले के अनेक उद्योग बन्द हो गए। अब ईंट उद्योग धन्धा भी बन्द के कगार पर है। यदि भरतपुर जिले के उपखण्ड वैर, भुसावर, नदबई, नगर आदि एनसीआर क्षेत्र के निकले और राजस्थान प्रान्त में एक साथ ईंट भट्टों की जलाई शुरू हो, तभी ईंट सस्ती होगी और ईंट भट्टा कारोबार प्रगति करेगा। ऐसा होने से लोगों को रोजगार भी प्राप्त होंगे।

कहां से आते श्रमिक : ईंट भट्टा संचालक चंचल अग्रवाल हलैना वाले एवं बिजेन्द्र सिंह हन्तरा ने बताया कि ईंट भट्टों पर कार्य करने को स्थानीय एवं राजस्थान के कई जिले सहित उत्तरप्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, बिहार, झारखण्ड, दिल्ली, गुजराज, पंजाब आदि प्रान्तों से श्रमिक आते आते है। जो ईंट थपाई, ईंट जलाई, ईंट निकासी आदि के कार्य करते है। श्रमिकों को लाते वक्त उन्हे एडवांस में पैसा दिया जाता है और जब ये लौटते है,उस वक्त कार्य के हिसाब से पैसा की लेनदेन करते है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 1 मार्च, 2025

फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2081, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र दिन 11:23 तक, साध्य योग सायं 4:25 तक, बालव करण दिन 1:43 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा। ग्रह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मिथुन, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज त्रिपुष्कर योग सूर्योदय से दिन 11:23 तक है। आज चन्द्र दर्शन, दक्षिण श्रृंगोन्नति, फुलेरा दोज है। आज श्री रामकृष्ण परमहंस जयन्ती, पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:21 से 9:47 तक, चर 12:39 से 2:05 तक, लाभ-अमृत 2:05 से 4:55 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:55, सूर्यास्त 6:24

मेष

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

वृष

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य में आ रही परेशानियों से से राहत मिलेगी। आज आर्थिक मामलों में उचित सफलता मिलेगी।

कर्क

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

सिंह

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

कन्या

परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

तुला

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु

घर-परिवार में आपसी वाद-विवाद हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को बाहर जाना पड़ सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।